ऑल असम राइस मिलर एसोसिएशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय चावल और खाद्य अनाज टेक एक्स्पो 20023 में माननीय राज्यपाल का भाषण

दिनांक 23 सितंबर 2023, शनिवार	समय : 12:00 PM	स्थान : मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर

- असम सरकार के माननीय उद्योग मंत्री श्री बिमल बोरा जी,
- फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया राइस मिलर एसोसिएशन के चेयरमैन श्री जी.वी. राव जी,
- अध्यक्ष श्री तारसेम सैनी जी,
- उपाध्यक्ष श्री योगेश अग्रवाल जी,
- ऑल असम राइस मिलर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री आर.के. बजाज जी,
- महासचिव श्री रोहित कुमार अग्रवाला जी,
- मुकाम्बिका एक्सीबिशन के संस्थापक श्री एम.पी. रामू जी,
- कार्यक्रम में उपस्थित अन्य सम्मानित अतिथिगण,
- राइस एवं फ्लोर मिल के सम्मानित प्रतिनिधिगण,
- एक्सपो में भाग ले रहे धान मशीन और आटा चक्की बनाने वाली कंपनियों के प्रतिनिधिगण,
- मीडिया से हमारे मित्रों,
- देवियों और सजज्नों,

नमस्कार

“इंटरनेशनल राइस एंड फूड ग्रेन्स टेक एक्स्पो 2023” में आप सबके बीच उपस्थित होकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे चावल एवं खाद्य अनाज के इस अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करने का मौका मिला। मैं इसके लिए “फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया राइस मिलर एसोसिएशन” और “ऑल असम राइस मिलर एसोसिएशन” के अधिकारियों को धन्यवाद देता हूं। मैं साथ ही इस आकर्षक प्रदर्शनी के आयोजन में सहयोग के लिए चेन्नई की मुकाम्बिका एक्सीबिशन का आभार व्यक्त करता हूं।

असम में चावल सबसे महत्वपूर्ण फसल है। चावल यहां के भोजन का अनिवार्य हिस्सा है। यह राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। असम में विभिन्न किस्म के चावलों की खेती की जाता है। राज्य के कुल फसली क्षेत्र का लगभग दो-तिहाई हिस्से पर चावल की खेती की जाती है। इसके लिए राज्य के मेहनती किसान हमारी कृतज्ञता और सराहना के पात्र हैं।

इन सबके बावजूद यहां का चावल मिलिंग उद्योग अभी भी बहुत पिछड़ा हुआ है या यूं कहें अविकसित है। असम में लगभग 700 चावल मिलें हैं, जिनमें कुछ बड़ी पारबोइलिंग इकाइयाँ, छोटी और लघु चावल मिलें शामिल हैं, जो सहायक उद्योगों के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार देती हैं।

मित्रों,

हमारे राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और धान की उपलब्धता यहां कोई समस्या नहीं है। यदि राज्य सरकार बड़े पैमाने पर चावल खरीद शुरू करती है तो यह राज्य के गरीब किसानों के साथ-साथ चावल मिलिंग उद्योग के लिए उत्साहवर्द्धक होगा। यह अपने आस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे चावल मिलों के लिए बूस्टर होगा।

साथ ही भारत सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत वितरण के लिए पंजाब, हरियाणा आदि से चावल लाने के लिए परिवहन और भंडारण शुल्क के मामले में करोड़ों रुपये भी बचाएगी। राज्य के चावल मिल के मालिक और कर्मचारी राज्य सरकार के इस कदम का समर्थन भी करेंगे और इस संबंध में अपना पूर्ण सहयोग भी देंगे।

चावल मिलिंग उद्योग एक कच्चा माल पर आधारित उद्योग है और इसकी कृषि उत्पादन पर प्रत्यक्ष निर्भरता है। यह सच है कि धान के उत्पादन में वृद्धि से चावल मिल की गतिविधि को गति मिलती है। साथ ही धान प्रसंस्करण इकाइयों की वृद्धि और विस्तार से धान के उत्पादन को भी बढ़ावा मिलता है। इससे ग्रामीणों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं और उनकी आय में वृद्धि भी होती है।

चावल मिल चावल की भूसी से बने तेल का भी उत्पादन करती है। इसका जितना ज्यादा उत्पादन होगा, उतना ही हमें अन्य देशों से आयत नहीं करना पड़ेगा और इससे विदेशी मुद्रा बचाने में भी मदद मिलेगी।

सरकार ने कृषि क्षेत्र में विकास, धान खरीद और राइस एवं एवं खाद्य अनाज मिलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं भी लागू की है। सरकार किसानों को मिनी राइस मिल का कारोबार शुरू करने के लिए ऋण और सब्सिडी भी उपलब्ध करा रही है। मैं फेडरेशन ऑफ ऑल राइस मिल एसोसिएशन और ऑल असम राइस मिल एसोसिएशन से आह्वान करता हूं कि वे लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में बताएं और कृषि क्षेत्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मुझे बताया गया है कि इस एक्सपो में देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में धान मशीन और आटा चक्की मशीन के निर्माता और पैकेजिंग आदि जैसे संबंधित उद्योग की कंपनियां भाग ले रही हैं। पूर्वोत्तर में यह इस तरह का यह पहला एक्स्पो है, जहां चावल मिलिंग और अनाज प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में अत्याधुनिक तकनीक का प्रदर्शन किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले राज्य के राइस मिल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से जुड़े लोग लाभान्वित होंगे।

यह प्रदर्शनी मेला प्रतिभागियों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तकनीक को जानने और समझने के लिए एक आदर्श मंच है, जो उन्हें अपने उद्योगों के विकास के लिए नई सोच और अवसर प्रदान करेगा।

मैं चावल मिल और खाद्य अनाज पर इस अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी के आयोजन के लिए फेडरेशन ऑफ ऑल राइस मिल एसोसिएशन और ऑल असम राइस मिल एसोसिएशन को एक बार फिर धन्यवाद देता हूं।

इस एक्स्पो के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद !

जय हिन्द !